हाईकोर्ट में दायर की गई याचिका,

पैरामेडिकल कॉलेज की मान्यता देने में फर्जीवाड़ा

जबलपुर। नियम विरुद्ध तरीके से प्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों को मान्यता दिये जाने के संबंध में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता की तरफ से आवेदन पेश करते हुए कहा गया कि नर्सिंग कॉलेज की तरफ प्रदेश में संचालित पैरा मेडिकल कॉलेज की मान्यता भी नियमों को ताक में रखकर दी गयी है। हाईकोर्ट जस्टिस अतुल श्रीधरन तथा जस्टिस दिनेश कुमार पालीवाल की युगलपीठ ने आवेदन पर शुक्रवार को सुनवाई निर्धारित की है। गौरतलब है कि लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल की तरफ से साल 2022 में दायर याचिका में प्रदेश में फर्जी नर्सिंग कॉलेज संचालित किये जाने को चुनौती दी गयी थी। याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट में नर्सिंग कॉलेज की सीबीआई जांच के आदेष जारी किये थे। सीबीआई की जांच प्रारंभिक जांच में 169 कॉलेज सूटेबल,65 कॉलेज अनसूटेबल तथा 74 कॉलेज में कमियां पाई गई थी। सीबीआई की दूसरी जांच में 129 कॉलेज में कमियां पाई गई थी। याचिका की सुनवाई के दौरान गुरुवार को पेश किये गये आवेदन में कहा गया है नर्सिंग कॉलेज जैसे फर्जीवाडा पैरामेडिकल कॉलेज को मान्यता देने में किया गया है। मान्यता के लिए निर्धारित नियमों को पालन नहीं किया जा रहा है।

निर्माण पर रोक, जांच के निर्देश, एसएलआर से मांगी रिपोर्ट

मप्र हाईकोर्ट ने शहर की ग्राम पंचायत पड़रिया-सिलुआ में सिंचाई विभाग के निर्माण पर आगामी सुनवाई तक रोक लगा दी है। एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले में भू-अभिलेख अधीक्षक (एसएलआर) को निर्देशित किया है वह जांच करें कि उक्त निर्माण किस खसरे में हो रहा है। इस संबंध में न्यायालय ने रिपोर्ट पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को निर्धारित की है। यह मामला जबलपुर के नीमखेड़ा निवासी जम्मन जायसवाल की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता केके पांडे, कौशलेश पांडे व सिद्धार्थ पांडे ने पक्ष रखा।

जिले के सबसे बड़े तालाब का अस्तित्व खतरें में

जबलपुर जिले के गांधीग्राम बुढ़ागर में स्थित सबसे बड़े तालाब का अस्तित्व खतरें में होने का दावा करते हुए मामले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। दायर मामले में आरोप है कि माइनिंग और और अतिक्रमण के कारण तालाब अपना अस्तित्व खो चुका है। एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मामले में सिहोरा एसडीएम को स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये है। इसके साथ ही अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 4 अगस्त को निर्धारित की है। यह जनहित का मामला गांधीग्राम बुढ़ागर निवासी रज्जन बर्मन की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता राजमणि मिश्रा ने पक्ष रखा। याचिका में प्रमुख सचिव राजस्व विभाग, जबलपुर कलेक्टर, एसडीओं व तहसीलदार सिहोरा को पक्षकार बनाया गया है। मामले की प्रारंभिक सुनवाई पश्चात् न्यायालय ने उक्त निर्देश देते हुए अनावेदकों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

बरगी बांध के बारह गेट बंद

जबलपुर। मानूसन के मेहरबान होने के बाद लगातार हो रही बारिश के चलते रानी अवंति बाई लोधी सागर परियोजना प्रशासन ने बरगी बांध के लगातार बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने 17 गेट खोले गए थे जिनसे 2.92 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। गुरूवार दोपहर बारह गेट बंद कर दिए गए अब दो मीटर औसम ऊंचाई तक पांच गेट से 40 हजार 612 क्यूसेक (1150 क्यूमेक) पानी छोड़ा जा रहा है। बांध का जल स्तर घटकर 416.50 मीटर पर पहुंच गया हैं। ज्ञात हो कि बरगी बांध के जलस्तर को नियंत्रित करने इस सीजन में पहली बार रविवार 6 जुलाई को दोपहर 12 बजे 9 गेट औसत 1.33 मीटर की ऊंचाई तक खोले गये थे और इनसे 52 हजार 195 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था। वर्षा जल की आवक को देखते हुये एक दिन बाद सोमवार 7 जुलाई को शाम चार बजे इसके चार और गेट खोले गये और सभी 13 गेट को औसत ऊंचाई 3.11 मीटर कर इनसे 1लाख 78 हजार 023 क्यूसेक पानी छोड़ा जाने लगा। एक बार फिर मंगलवार की शाम 6 बजे बांध के बढ़ते जलस्तर को नियंत्रित करने चार और गेट खोले जा रहे हैं तथा कुल 17 गेटों से 2 लाख 92 हजार 514 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा था।

दिन में धूप, बादल शाम को बरसे बदरा

494 मिमी पर पहुंचा बारिश का आंकड़ा

जबलपुर। मानसून सीजन में बारिश का आंकड़ा को 494 मिमी तक पहुंच गय है। गुरूवार को दिनभर धूप और बादलों के बीच लुकाछिपी का खेल चलता रहा। पल भर में कभी धूप निकल रही थी कभी बादल डेरा डाल रहे थे। शाम ढलते ही मौसम ने करवट बदली और काले बादलों ने डेरा डाल लिया जिसके बाद रिमझिम बारिश शुरू हो गई। रात्रि साढे बजे तक 30.8 मिमी बारिश हुई।

मौसम विभाग ने चौबीस घंटे में भारी बारिश की चेतावनी जारी की हैं। गुरूवार को अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से दो डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 22.3 डिग्री पर पहुंच गया। आर्द्रता सुबह 90 और शाम को 82 प्रतिशत दर्ज की गई। दक्षिण-पश्चिम हवाएं छह से सात किमी की रफ्तार से चली।

कुंडम में सर्वाधिक, पाटन में सबसे कम बारिश

मौसम विभाग द्वारा एक जून से दस जुलाई तक हुई बारिश के आंकड़े जारी किए गए जिसमें सर्वाधिक बारिश कुंडम में 629.8मिमी बारिश दर्ज की गई है जबकि सबसे कम पाटन में 393.3 मिमी बारिश रिकॉर्ड हुई है।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्राईवेट लिमिटेड हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा प्रेस कॉम्प्लेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. स्थानीय संपादक अविनाश दीक्षित*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-0761-4109072, E mail-navbharat.418@gmail.com पो.रजि.नं.201-04/2003 RIN Reg No.1537/57